

उत्तराखण्ड में बढ़ता वनाग्निका प्रकोप

चर्चा में क्यों?

27 अप्रैल, 2022 को उत्तराखण्ड के मुख्य वन संरक्षक, वनाग्निएवं आपदा प्रबंधन कार्यालय की ओर से जारी आँकड़ों के अनुसार प्रदेश के गढ़वाल और कुमाऊँ, दोनों मंडलों में वनाग्निका सबसे अधिक घटनाएँ सामने आई हैं।

प्रमुख बटु

- प्रदेश में कुल 227 स्थानों पर जंगलों में आग लगी, जसिमें कुल 561 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावति हुआ है तथा इससे 11 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति का आकलन कया गया है।
- 15 फरवरी से शुरू हुए फायर सीजन में इस वर्ष अब तक वनाग्निका कुल 1443 घटनाएँ सामने आ चुकी हैं, जनिमें गढ़वाल में 642, कुमाऊँ में 724 और संरक्षति वन्य जीव क्षेत्र की 77 घटनाएँ शामिल हैं। इनसे 2432.62 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावति होने के साथ ही 60 लाख रुपए से अधिक की आर्थिक क्षति का आकलन कया गया है।
- वनाग्नाने उत्तराखण्ड में वायु को प्रदूषति कर दिया है। वनाग्निका घटनाओं के कारण यहाँ ब्लैक कार्बन की मात्रा में 12 से 13 गुना वृद्धि हुई है। वायुमंडल में इस ब्लैक कार्बन की गणना के लिये केंद्रीय गढ़वाल विश्व विद्यालय के भौतिकी विभाग में भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के सहयोग से एथेल्मीटर स्थापति कया गया है।
- उल्लेखनीय है कविन सीमांत समुदायों को सूचति, सक्षम और सशक्त बनाने तथा उन्हें राज्य वन विभागों के साथ काम करने के लिये प्रोत्साहति करके जंगल की आग को कम करने हेतु 2018 में जंगल की आग पर राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPFF) शुरू की गई थी।